ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक - 12 सितम्बर-II, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

जन-जन में फैलाएं विश्व बंधुत्व का संदेश

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की छठवीं पुण्यतिथि को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर देश-विदेश से आए हजारों लोगों ने दादीजी के समाधि स्थल 'प्रकाश स्तम्भ' पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दुनिया में विश्व बंधुत्व फैलाने का संदेश दिया।

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि दादीजी ने उस समय माताओं-बहनों को परमात्मा द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा सम्मानजनक दर्जा दिलाया जब इस समाज में महिलाओं के अधिकारों की चर्चा तक नहीं थी। महिला प्रधान संस्था का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्व में महिलाओं के आत्म सम्मान को बढ़ाया तथा नारी सशक्तिकरण का अहसास कराया।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि दादीजी का आदर्श जीवन समाज के हर वर्ग के लिए सदा प्रेरणास्रोत रहेगा।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि दादीजी की त्याग व तपस्या का ही प्रतिफल है जो आज देश-विदेश में हजारों सेवाकेन्द्र जन-जन में श्रेष्ठ जीवन मूल्यों को प्रतिस्थापित कर रहे हैं।

इसके साथ ही संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर, अति. मुख्य सचिव ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.रमेश शाह, सूचना निदेशक ब्र.कु.करूणा, ब्र.कु.मोहिनी, ब्र.कु.मुन्नी, कार्यकारी सचिव ब्र.कु.मृत्युंजय सहित देश-विदेश से आए हजारों लोगों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शांतिवन। दादी प्रकाशमणि की पुण्यतिथि पर दादी जानकी उन्हें पुष्पहार अर्पित करते हुए। साथ हैं दादी हृदयमोहिनी, दादी इशु, ब्र.कु.सरला, ब्र.कु.संतोष तथा अन्य।

दिल्ली। भारत के राष्ट्रपति महामहिम प्रणव मुखर्जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.आशा।

दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.आशा, ब्र.कु.बृजमोहन तथा अन्य।

अनोखी राखी द्वारा विश्व को दिया वैश्विक भाईचारे का संदेश

बैंगलोर। ''वैश्विक भाईचारे का त्योहार रक्षाबंधन-2013'' कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा 'विश्व की सबसे बड़ी राखी' 40 फीट व्यास तथा 400 फीट चौड़ाई की बनाई गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक आध्यात्मिक तथा सामाजिक वातावरण का निर्माण करना तथा विश्व को वैश्विक भाईचारे का संदेश देना है। इस कार्यक्रम के द्वारा विभिन्न विषयों जैसे कि मद्यपान, तम्बाकू सेवन, ड्रग्स, स्त्रियों पर अत्याचार, ग्लोबल वार्मिंग, डीफॉरेस्टेशन तथा स्वच्छ बैंगलोर के लिए बी बी एम पी की वर्तमान नीति के प्रति जागरुकता लाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जगतगुरू श्री श्री श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी (पीठाध्यक्ष आदि चुनचुनगिरी महासंस्थान), विधायक आर.वी देवराज, एम.बी.जयराम (चेयरमैन पब्लिक रिलेशन काउन्सिल ऑफ इण्डिया बैंगलोर), वी.वी.आर.मूर्ति (विपणन प्रबंधक लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, गुड़गांव हरियाणा), ब्र.कु.लक्ष्मी (उप-क्षेत्रीय निदेशिका मैसूर), ब्र.कु.सरोजा (उप-क्षेत्रीय अतिरिक्त निदेशिका, कुमारापार्क बैंगलोर), ब्र.कु.लीला (वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, तिरुपति), ब्र.कु.गीता (वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, कड़प्पा) तथा कार्यक्रम में उपस्थित अन्य सर्व प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा किया गया।

सभा में ब्र.कु.पद्मा (उप-क्षेत्रीय निदेशिका, चामराजपेट बैंगलोर) को लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के विपणन प्रबंधक श्री वी.वी.आर. मूर्ति द्वारा विश्व की सबसे बड़ी राखी का लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल होने का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सभी अतिथियों को रक्षासूत्र बांधा गया। सभी ने समाज में वैश्विक भाईचारे को बढ़ाने का तथा मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया।

ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा निर्मित 'विश्व की सबसे बड़ी राखी'